॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

अथ

छन्दोर्णवपिंगल।

श्रीमत्सकलकविकुलसरसिजवनप्रकाशनदिवाकरश्री-
रामचन्द्रभक्तिप्रकाशितान्तःकरणप्रतापगढदे-
शीयटयौंगाग्रामवासिभिषारीदासकृत.
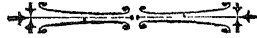
जिसमें

मात्रावृत्त वर्णवृत्त मेरु मर्कटी पताका और प्रति छन्द लघु
गुरु गणस्थापनरीति और अति रमणीयछन्दोंके उदा-
हरण, हिन्दी भाषा कवित्व रसिकोंके उप-
कारार्थ अति सुगमतासे वर्णित हैं.

वही

बम्बई

खेतवाडी ७ वीं गली खम्बाटा लेन,

खेमराज श्रीकृष्णदासने

निज " श्रीवेङ्कटेश्वर " स्टीम् प्रेसमें

मुद्रितकर प्रसिद्ध किया.

संवत् १९७१ शके १८३६.